SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

युवाओं में नेतृत्व क्षमता के विकास में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका

डॉ॰ रेवत सिंह, शोध निर्देशक, श्री अग्रसेन स्नात्तकोतर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर
अनिल कुमार, शोधार्थी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

सारांश

युवा वर्ग प्रत्येक राष्ट्र का आधार स्तंभ और राष्ट्रीय विकास का कर्णधार होता है। इसलिए यह आवश्यक होता है कि राष्ट्र के सर्वाधिक उपयोगी मानवीय संसाधन के रूप में युवा शक्ति का संतुलित विकास और उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो। इस हेतु शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिको का दायित्व बनता है कि वे शिक्षा और उचित मार्गदर्शन और निर्देशन के द्वारा युवाओं का समुचित सवेंगात्मक विकास करे क्यों कि सवेंगात्मक विकास मानव अभिवृद्धि और व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। समुचित सांवेगिक विकास से ही विद्यार्थियों की संवेगात्मक या भावनात्मक बुद्धि का विकास संभव है जो युवाओं की निर्णय शक्ति और नेतृत्व क्षमता को विकसित करता है और सुदृढ बनाता है। नेतृत्व में भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमारी अपनी भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने तथा दूसरों की भावनाओं को समझने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता नेतृत्व क्षमता के लिए आवश्यक कई कौशलों में से एक मौलिक कौशल है। जो व्यक्ति को उचित निर्णय लेने और दूसरों को समझने में सहायता प्रदान करती है। भावनात्मक बुद्धि व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक है। यह अपने और दूसरों के भावों को पहचानने की क्षमता तथा अपने–आप को अभिप्रेरित करके अपने और अपने संबंधों में संवेग को प्रबंधित करने की क्षमता है।

मुख्य शब्दावली :– नेतृत्व, क्षमता, भावनात्मक, बुद्धिमत्ता, भूमिका।

IAJESM
Quality Of Work... Never Ended...